RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 06 मई 2024 वर्ष 06 अंक 18 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

शिंदे की जिद से ठाणे सीट पर बीजेपी नाराज तो महाराष्ट्र सीएम ने खुद संभाला मोर्चा...

Page - 3

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

भाजपा के पास दरवाजा खोलने पर भी वापस नहीं जाऊंगा- उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र : शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि भले ही भाजपा उनके लिए दरवाजा खोले, लेकिन वह अपने पूर्व सहयोगी के पास वापस नहीं जाएंगे। ठाकरे ने इसके साथ ही सत्तारूढ़ दल पर 'विश्वासघात' कर 2022 में उनकी सरकार को गिराने का आरोप लगाया।

ठाकरे ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि अगर भाजपा लोकसभा चुनाव जीतती है, तो भारत के साथ-साथ चीन में भी पटाखे फोड़े जाएंगे क्योंकि नई दिल्ली में एक 'डरपोक' सरकार होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी पर भाजपा की आलोचना की कि पाकिस्तान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्सुक है।

ठाकरे ने कहा कि भाजपा चुनाव के दौरान पाकिस्तान का नाम लेकर भय फैलाने का सहारा ले रही है।पुंछ आतंकी हमले का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह वहां नहीं जाएंगे, बल्कि उन्हें (ठाकरे को) नेस्तनाबूद करने के लिए महाराष्ट्र आएंगे। अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में मतदान से पहले शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गयी, जबकि चार घायल हो गए।

ठाकरे ने कहा, भले ही दरवाजे खुले हों, जो चाहो करो। मैं आपके पास नहीं आऊंगा, और आपके पास वापस आने की कोई आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि आप वहां (सत्ता में) नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को 2022 में विश्वासघात करके गिरा दिया गया था। राज्य में ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार जून 2022 में उस वक्त गिर गयी थी जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अविभाजित शिवसेना में विद्रोह का बिगुल बजाया और मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा से हाथ मिलाया।

पिछले हफ्ते एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में मोदी ने कहा था कि वह शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के बेटे के रूप में उद्धव ठाकरे का सम्मान करेंगे और अगर वह संकट में हैं तो उनकी मदद करने वाले पहले व्यक्ति होंगे।ठाकरे ने कहा कि मोदी ने अब तक लोगों को केवल दर्द दिया है, लेकिन अगर लोग कहते हैं कि वे उनकी सरकार के काम से खुश हैं तो वह (उद्धव) उनके लिए प्रचार करने को तैयार हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना और राकांपा में उथल-पुथल का जिक्र करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि अगर भाजपा ने 10 साल तक काम किया होता तो विभाजन की नौबत नहीं आती।

चंद्रशेखर बावनकुले का विजय वडेट्टीवार पर पलटवार...

आतंकवादियों के लिए आंसू बहा रही है कांग्रेस

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के कद्दावर नेता विजय वडेट्टीवार द्वारा हेमंत करकरे की मौत को लेकर दावे के बाद राज्य की राजनीति गरमाई है। इसी बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने वडेट्टीवार पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। कांग्रेस आतंकवादी अजमल कसाब का पक्ष ले रही है और उसके लिए आंसू बहा रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने विजय वडेट्टीवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने एक बार फिर अक्ल के तार तोड़कर पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। वडेट्टीवार ने दावा किया कि शहीद हेमंत करकरे पर चलाई गई गोली पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब की नहीं थी। चुनाव में वोट पाने के लिए कांग्रेस किस हद तक गिरेगी? क्या आप बीजेपी का विरोध करने के लिए 26/11 मुंबई हमले के आतंकवादी कसाब का पक्ष लेते हैं?

शहजादे की जीत के लिए पाकिस्तान में दुआएं

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने भी कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस अपने खास वोट बैंक को खुश करने और उसे पाने के लिए किसी भी हद तक गिर सकती है। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छह्झ विजय वडेट्टीवार ने 26/11 के आतंकियों को क्लीन चिट देकर ये बात साबित कर दी। उनके मुताबिक शहीद हेमंत करकरे जी पर कसाब ने गोली नहीं चलाई थी। क्या आतंकियों का पक्ष लेते समय कांग्रेस को बिल्कुल भी शर्म नहीं आई? आज पूरे देश को ये भी पता चल गया है कि क्यों कांग्रेस और शहजादे की जीत के लिए पाकिस्तान में दुआएं मांगी जा रही हैं।

बावनकुले ने आगे कहा, जब से मोदी जी सत्ता में आए हैं आतंकवादियों की कमर टूट गई है लेकिन आज कांग्रेस आतंकवादियों के लिए आंसू बहा रही है। जब महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सरकार थी तो याकूब की कब्र को खूबसूरत बनाया गया, अब कसाब की रेजीमेंट आ गई है। इन लोगों की पाकिस्तान वाली भूमिका पर जनता सबक सिखाए बिना नहीं रहेगी।

मुंबई/ बिजली बिल के विवाद में मकान मालिक की हत्या,

आरोपी किरायेदार को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई: बिजली बिल भुगतान को लेकर हुए विवाद में एक किरायेदार ने मकान मालिक की हथौड़े से मारकर हत्या कर दी. यह घटना गोवंडी में घटी. पिटाई से गंभीर रूप से घायल गृहस्वामी की आवास में ही मौत हो गयी. घटना का पता दो दिन बाद तब चला जब घर से दुर्गंध आने लगी। इस मामले में 63 वर्षीय आरोपी को शिवाजी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

मृतक का नाम गणपति झा (49) है और वह बंगनवाड़ी इलाके में रहता था। गुरुवार को स्थानीय लोगों ने बंगानवाड़ी स्थित उनके आवास से दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद जब पुलिस ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तो पता चला कि झा की मौत दो दिन पहले ही हो चुकी है. बाद में जब मृतक के चचेरे भाई दिनेश झा ने इलाके में पूछताछ की तो बिजली बिल के विवाद को लेकर उसका अपने किरायेदार अब्दुल शेख (63) से झगड़ा हुआ था. स्थानीय लोगों ने कहा कि उस विवाद के दौरान शेख ने गणपति को लंगड़ी छड़ी और हथौड़े से पीटा। इसी के तहत दिनेश झा ने शिवाजी नगर पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करायी. इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अब्दुल शेख को गिरफ्तार कर लिया. 30 अप्रैल को बिजली बिल को लेकर गणपति और अब्दुल शेख के बीच बहस हुई. इससे गणपति ने शेख को गाली दी. उस गुस्से में शेख सीढ़ियों पर चढ़ गया और गणपति को लकड़ी के डंडे से पीटा।

6 घंटे में दो बड़े हादसे... सड़क हादसों से दहला महाराष्ट्र, 7 लोगों ने गंवाई जान, 5 गंभीर

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के बुलढाणा और अहमदनगर जिलों में रविवार को हुए दो भीषण सड़क हादसों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी।जबकि पांच अन्य गंभीर तौर पर घायल हुए है।समृद्धि महामार्ग पर आज सुबह एक कार दुर्घटना का शिकार बन गई। मुंबई कॉरिडोर पर हुए इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान लताबाई पुरूषोत्तम मेहेर, मुकेश अनुज राम मेहेर, अत्मजा मुनोरबोद के तौर पर हुई हैं। पुलिस के मुताबिक आज समृद्धि महामार्ग पर एक तेज रफ्तार कार का एक्सीडेंट हो गया। यह घटना मुंबई कॉरिडोर पर चैनल नंबर-304 के पास हुई।तेज रफ्तार कार की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया है।

इस हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए। पीड़ित छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। इस घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है। वहीं, सुबह अहमदनगर में महाराष्ट्र परिवहन की एसटी बस और कार में भीषण टक्कर हो गई। ओवरटेक करने के दौरान कार बस से आमने-सामने टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा दब गया और चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। हादसा श्रीगोंदा तालुका के ढवलगाव के पास हुआ. हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। हादसे के दौरान बस में 16 यात्री सफर कर रहे थे. सभी यात्री सुरक्षित हैं। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए हैं। एसटी बस के अगले हिस्से को भी काफी नुकसान पहुंचा है। कार सवार मृतकों की पहचान दत्तात्रेय बलिराम खेतमालिस, भाऊसाहेब बाबूराव मडके, हरि तुकाराम लडकत, विश्वनाथ लक्ष्मण नन्नवरे के तौर पर हुई हैं। पुलिस के मुताबिक आज सुबह एक एसटी बस श्रीगोंदा से शिरूर के लिए रवाना हुई थी। जब बस नगर कल्याण मार्ग से जा रही थी तो ढवलगाव में एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने एक वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान कार सामने से आ रही एसटी बस से टकरा गई। इस हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई और दो ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

साइकिल पार्क करने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, 1 की मौत

मुंबई: महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गिरगांव में हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है। वीपी रोड पुलिस ने 53 साल के एक व्यक्ति पर पिता-पुत्र ने हमला कर उसकी कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र की जोड़ी को गिरफ्तार किया है। घटना गिरगांव की है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों की पहचान विकास राऊत (53) और विपुल राऊत (32) के रूप में हुई है। वे गिरगांव के रहने वाले हैं।

संपादकीय...

मुद्रास्फीति की चुनौती

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मुद्रास्फीति की गति का आकलन करना अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो चुका है। उदाहरण के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व तथा विकसित और विकासशील देशों के कई अन्य केंद्रीय बैंकों का मानना था कि महामारी के बाद उपभोक्ता कीमतों में इजाफा अस्थायी प्रकृति का था। बहरहाल, निरंतर ऊंची मुद्रास्फीति दर ने आखिरकार उन्हें समायोजन के लिए विवश किया। इसकी वजह से 2022 में पूरी दुनिया में नीतिगत दरों में तेज और समन्वित इजाफा हुआ और वैश्विक वित्तीय हालात में तंगी की स्थिति बन गई। उच्च ब्याज दर ने असर डाला और दुनिया भर में मुद्रास्फीति में कमी आई। इससे वित्तीय बाजारों में यह आशावाद फैला कि फेडरल रिजर्व जल्दी ही नीतिगत दरों में कमी शुरू करेगा।

फेड के अपने अनुमानों में भी संकेत दिया गया कि वह 2024 में फेडरल फंड दरों में 75 आधार अंकों की कमी करेगा। ये संकेत फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के बाद दिया गया था। बहरहाल, फरवरी की तुलना में मार्च में मुद्रास्फीति के बढ़कर 3.5 फीसदी हो जाने के बाद एक बार फिर यह सवाल पैदा हो गया कि यह कितनी जल्दी फेडरल रिजर्व के मध्यम अवधि के दो फीसदी के लक्ष्य तक पहुंच सकेगी। फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने गत सप्ताह एफओएमसी की बैठक के बाद अनुमान जताया था कि नीतिगत ब्याज दर लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है। पॉवेल ने यह भी कहा था कि जरूरी नहीं है कि फेड का अगला कदम ब्याज दरों में इजाफे के रूप में सामने आए। अधिकांश बाजार प्रतिभागियों को उम्मीद नहीं है कि फेडरल रिजर्व नीतिगत दरों में इजाफा करेगा। परंतु अंतिम सिरे तक अपस्फीति मुश्किल हो सकती है और इसके लिए बाजार की अपेक्षाओं में समायोजन की जरूरत पड़ सकती है। 10 वर्ष के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर प्रतिफल में मार्च के अंत से करीब 30 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई है। अब लंबे समय के लिए नए सिरे से उच्च आकांक्षा अमेरिका तथा शेष विश्व को प्रभावित करेगी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में कहीं अधिक मजबूती दिखाई है जो अधिकांश विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर है। उदाहरण के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में चालू वर्ष के लिए वृद्धि अनुमानों को 60 आधार अंकों से संशोधित किया। परंतु लंबे समय तक प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति को जारी रखने से उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसका असर वैश्विक वृद्धि पर भी पड़ेगा। अमेरिका में अगर लंबे समय तक उच्च ब्याज दर कायम रही तो इससे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार में अस्थिरता आएगी। उदाहरण के लिए जापान के केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह कम से कम दो बार हस्तक्षेप किया ताकि येन की मदद कर सके जो 34 वर्षों के निचले स्तर तक गिर गया था। कई मुद्राओं खासकर विकासशील देशों की मुद्राओं पर और अधिक दबाव बनने की आशंका है। भारत के लिए इसमें क्या संदेश है? अमेरिकी तथा वैश्विक वृद्धि पर दबाव व्यापारिक चैनलों के जरिये भारत में उत्पादन पर असर डालेगा। बहरहाल मुद्रा के मोर्चे पर भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। हाल के दिनों में रुपये की स्थिरता से इसे महसूस किया जा सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई/ किराया वृद्धि में छूट नहीं मिलने से म्हाडावासियों पर आर्थिक बोझ !

मुंबई: पट्टों को रेडी रेकनर से जोड़ने के बाद किराया वृद्धि कम नहीं होने से भविष्य में महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा। नई लीज नीति की घोषणा के बाद म्हाडा के निवासियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि म्हाडा ने अपनी लीजिंग नीति में कोई बदलाव नहीं किया है। निवासियों की प्रतिक्रिया है कि म्हाडा, जो परिवहन के माध्यम से स्वामित्व अधिकार देता है, से लीज वसूलना लूट है। लेकिन चूंकि म्हाडा के पास अब कोई प्लॉट नहीं बचा है, इसलिए संबंधित वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि पट्टे से होने वाली आय ही एकमात्र आय है।

शहर और उपनगरों में म्हाडा के 114 लेआउट में 2 करोड़ 19 लाख 18 हजार 94 वर्ग मीटर जमीन। म्हाडा ने इस भूखंड पर कुछ इमारतों के साथ 30 साल और कुछ के साथ 99 साल के लिए लीज समझौता किया है। इनमें से अधिकांश इमारतों के पट्टों को नवीनीकृत करने के लिए म्हाडा एक नई नीति लेकर आई है। इस नीति के अनुसार कुल भूखण्ड क्षेत्रफल के 25 प्रतिशत पर प्रचलित पूर्व अनुमानित राशि पर 2.5 प्रतिशत लीज दर है। इसके अलावा, म्हाडा ने प्रचलित प्रारंभिक गणना के अनुसार हर पांच साल के बाद लीज चार्ज करने का निर्णय लिया है और लीज को शुरू में 30 साल तक सीमित किया जाना चाहिए और फिर 30-30 साल के लिए 90/99 साल तक नवीनीकृत किया जाना चाहिए। लेकिन विभिन्न 13 दंड प्रावधानों में 55 से 75 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को अब 10 से 50 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है.

म्हाडा ने लीज नवीनीकरण के लिए विभिन्न प्रस्ताव पारित किए थे। लेकिन, लीज नवीनीकरण को लेकर नीति तय नहीं की गयी. इसलिए, 2005 में पारित प्रस्ताव के अनुसार, जब भवनों के पट्टे नवीनीकरण के लिए आए, तो नीति तय होने पर संबंधित भवनों से अंतर का भुगतान करने का वचन लिया गया। इस नीति को अगस्त 2021 में अंतिम रूप दिया गया। इसलिए म्हाडा ने नवीनीकरण के लिए आई इमारतों की लीज का भुगतान प्रारंभिक गणना दर के अनुसार करने को कहा। हाउसिंग सोसायटियाँ परेशान थीं क्योंकि यह राशि कुछ लाख रुपये के घरों में चली गई थी। पहले यह पट्टा प्रारंभिक गणना से नहीं जुड़ा था। इसलिए बहुत कम किराया देना पड़ता था.

कल्याण के पास नेवाली गांव में एक किराना दुकान में साढ़े चार करोड़ का नशीला पदार्थ जब्त

डोंबिवली : कल्याण क्राइम ब्रांच की एक टीम ने करोड़ रुपये कीमत का मेफोड्रोन नामक तीन किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया है। हिललाइन थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और राजेश कुमार प्रेमचंद तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया है. उसका साथी शैलेन्द्र अहिरवार फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

इन तस्करों के पास नशीली दवाओं का भंडार कहां से आया? वे ये नशीली दवाएं किसी को बेच रहे थे। इस रैकेट में कितने लोग शामिल हैं? पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पिछले कुछ महीनों से क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिल रही थी कि कल्याण-डोंबिवली इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ रही है. पुलिस तस्करों की तलाश में थी। कल्याण अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नरेश पवार को गुप्तचरों से सूचना मिली थी कि कल्याण-मलंगगढ़ रोड पर कटाई-बदलापुर पाइपलाइन चौराहे पर नेवाली गांव में गायत्री किराना दुकान में नशीले पदार्थों का एक बड़ा भंडार छुपाया और बेचा जा रहा है।. शुक्रवार को नरेश पवार के मार्गदर्शन में 20 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम अचानक न्यूली गांव स्थित गायत्री किराना दुकान में घुस गई। दुकान की तलाशी के दौरान टीम को दुकान में 3 किलो 4 ग्राम वजनी मैफोड्रोन का स्टॉक मिला. टीम ने दुकान के ड्राइवर राजेश कुमार तिवारी को गिरफ्तार कर लिया. राजेश कटाई-बदलापुर पाइपलाइन रोड पर धमतान गांव में एकवीरा ढाबा के पास रहते हैं। कार्रवाई के बाद राजेश का साथी शैलेन्द्र अहिरवार फरार हो गया है। शैलेन्द्र अहिरराव ठाणे के ढोकली-कोलशेत इलाके में रहते हैं। पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

राजेश तिवारी और शैलेन्द्र अहिरराव दोनों नशीला पदार्थ बेचने का कारोबार करते हैं। उसके करीबी रिश्तेदार महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी नशीले पदार्थों के कारोबार में शामिल हैं। किराना दुकान के नाम पर राजेश तिवारी का नशीला पदार्थ बेचने का धंधा जोरों पर चल रहा था. इस शेयर की अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत 4.50 करोड़ है. डोंबिवली एमआईडीसी में कुछ किराना दुकानों के सामने दिन भर युवाओं की भारी भीड़ लगी रहती है. स्थानीय नागरिकों की मांग है कि पुलिस ऐसी जगहों को ढूंढे और वहां भी कार्रवाई शुरू करे. शिकायत है कि एमआईडीसी के एक मशहूर अस्पताल के सामने वाली गली में पिछले कई महीनों से इस तरह का काम चल रहा है.

सवा दो लाख की बिजली चोरी

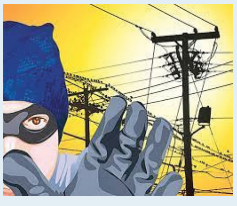

भिवंडी : भिवंडी शहर व ग्रामीण परिसर में बिजली की आपूर्ति व बिल वसूल करने वाली टोरेंट पॉवर कंपनी द्वारा बिजली चोरों पर अंकुश लगाने के खिलाफ सतत कार्रवाई जारी है। इसके बावजूद बिजली चोरी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इसी क्रम में एक बार फिर टोरेंट पॉवर कंपनी के सतर्कता विभाग की टीम ने कार्रवाई कर 2,22,813.32 रुपए की बिजली चोरी का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक टोरेंट पॉवर कंपनी में एक्जीक्यूटिव पद पर कार्यरत कु. गौरी प्रकाश परीसे व उनकी टीम ने गुंदवली गांव स्थित मकान नं.190 ब पर छापामार कर बिजली उपभोक्ता मोहन मधुकर पाटिल को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा है।

भयंदर में लव जिहाद की धमकी देकर 30 लाख की फिरौती मांगने के आरोप में महिला गिरफ्तार

वसई : लव जिहाद और रेप का केस दर्ज कराने की धमकी देकर अपने लिव-इन पार्टनर से 30 लाख की रंगदारी मांगने वाली महिला को नवघर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नवघर पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता का नाम सैयद अनवर इसामुद्दीन हुसैन (36) है और वह नया नगर, मीरा रोड का रहने वाला है। पुलिस को दी गई उनकी शिकायत के मुताबिक, वह दिसंबर 2023 से संध्या अदाते (33) के साथ भायंदर में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। जनवरी से ही संध्या उससे मामूली बात पर झगड़ने लगी थी। इसके बाद कुछ ही दिनों में वह पैसे की मांग करते हुए उसे परेशान करने लगी। हुसैन ने शिकायत की है कि डेनी ने लव जिहाद, रेप और एट्रोसिटी का केस करने की धमकी देकर 30 लाख की रंगदारी मांगी है. हुसैन ने यह भी आरोप लगाया है कि उसने हुसैन के दोस्त नीलेश सोनी और अन्य के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। इस मामले में नवघर पुलिस ने संध्या अदाते के खिलाफ जबरन वसूली, धोखाधड़ी के विभिन्न आरोपों के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी संध्या अदाते पहले से ही शादीशुदा है और उसके पति के खिलाफ फैमिली कोर्ट में मुकदमा लंबित है।

महाराष्ट्र के नेता विपक्ष ने बड़ा दावा कर लगाए उज्जवल निकम पर आरोप

हेमंत करकरे की हत्या कसाब ने नहीं..., निकम ने कसाब मामले में छिपाई तथ्य

मुंबई: महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या जिस गोली से हुई वह 'आरएसएस को समर्पित' एक पुलिस अधिकारी के हथियार से चली थी, न कि अजमल कसाब या 26/11 को मुंबई पर हमला करने वाले अन्य 9 पाकिस्तानी आतंकवादियों की बंदूक से। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में विशेष सरकारी वकील और मुंबई उत्तर मध्य से बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवार उज्ज्वल निकम 'देशद्रोही हैं, जिन्होंने इस तथ्य को दबाया।' मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना ने 26/11 के शहीदों और मुंबई पुलिस पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार की कथित टिप्पणी की निंदा की है।

एक वीडियो बयान में वडेट्टीवार ने आरोप लगाया, 'जांच के दौरान, महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई थी। हालांकि, इसे उज्ज्वल निकम ने दबा दिया, जो एक देशद्रोही है। मेरा सवाल यह है कि बीजेपी एक देशद्रोही को क्यों बचा रही है और ऐसे व्यक्ति को लोकसभा चुनाव में टिकट क्यों दिया? ऐसा करके, भाजपा देशद्रोहियों को बचा रही है।'

देवेंद्र फडणवीस और निकम का पलटवार

इस बयान पर निकम और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फडणवीस

और उज्जवल निकम ने वडेट्टीवार के आरोपों को निराधार और गैरजिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'कसाब के पक्ष में है', जो 26/11 का हमलावर था जिसे जिंदा पकड़ा गया था और बाद में उसे दोषी करार देकर फांसी दे दी गई थी।

'राजनीतिक लाभ के लिए आतंकी का साथ'

निकम ने कहा, 'यह कितना बेबुनियाद बयान है। मैं ऐसे बेबुनियाद आरोपों से दुखी हूं, जो मेरी ईमानदारी पर संदेह पैदा करते हैं। यह चुनावी राजनीति के स्तर को साफ दर्शाता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि राजनेता इतने निचले स्तर पर गिर जाएंगे। राजनीतिक लाभ के लिए? वह (वडेट्टीवार) मेरा नहीं, बल्कि 26/11 के हमलों में मारे गए 166 लोगों और सभी घायलों का अपमान कर रहे हैं।'

'पाकिस्तान ने भी कसाब को माना था दोषी'

निकम ने कहा, 'वे (कांग्रेस) कसाब को निर्दोष मानते हैं। यहां तक कि पाकिस्तान ने भी स्वीकार किया था कि कसाब साजिश में शामिल था और भारत पर आतंकी हमले में शामिल था और दोषी था।' उन्होंने कहा कि कसाब को सजा दिलाने के लिए उन्होंने जो कानूनी कदम उठाए हैं, उन्हें भारतीय अच्छी तरह जानते हैं। निकम ने कहा कि देश के नागरिक 4 जून (लोकसभा चुनाव के नतीजों के दिन) को ऐसे आरोपों का जवाब देंगे, उन्होंने कहा कि वह 'हताश गलत सूचना' को और अधिक प्रतिक्रिया देकर बढ़ावा नहीं देना चाहते।

'कसाब का बचाव क्यों कर रही बीजेपी?'

इस बीच, फडणवीस ने कहा, 'हमारा गठबंधन निकम के साथ है, जबकि कांग्रेस ने कसाब से हाथ मिला लिया है।' शिवसेना प्रवक्ता किरण पावस्कर ने कहा कि एनआईए को वडेट्टीवार को गिरफ्तार करना चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि वे कसाब का बचाव क्यों कर रहे थे। किरण ने कहा, 'वडेट्टीवार के बयान से ऐसा लगता है कि कांग्रेस मुंबई पर हमला करने वाले आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस घटना पर चुप्पी साध रखी है।'

प्रेमी जोड़े ने सप्तश्रृंग किले से कूदकर कर ली आत्महत्या !

नासिक : जिले के सप्तश्रृंग किले पर एक ठंडी चट्टान से लगभग 400 फीट गहरी खाई में कूदकर एक युवक और एक नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली। 28 अप्रैल को मंगेश शिंदे (24, निवासी भायले) और प्रियंका तिडके (16, निवासी वडनेरभैरव) डिंडोरी से दोपहिया वाहन पर सप्तश्रृंगी किले आए थे. चट्टान से कूदी युवती का शव पेड़ से चिपक गया, जबकि युवक का शव घाटी में मिला। घटना के छह दिन बाद शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला. चरवाहों ने शव देखा, तो उन्होंने भटोडे पुलिस पाटिल विजय चावा को सूचित किया। इसके बाद वणी पुलिस को सूचना दी गयी. वणी पुलिस स्थानीय युवकों की मदद से शवों तक पहुंची. प्रारंभिक जानकारी है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध था और आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है।

शिंदे की जिद से ठाणे सीट पर बीजेपी नाराज तो महाराष्ट्र सीएम ने खुद संभाला मोर्चा... की 6 घंटे मैराथन बैठक

ठाणे: महाराष्ट्र में ठाणे लोकसभा सीट से शिवसेना (शिंदे गुट) के नरेश म्हस्के को टिकट दिए जाने से बीजेपी की नाराजगी सामने आई है। इस सीट के लिए बीजेपी ने बहुत जोर लगाया था, लेकिन टिकट शिंदे सेना को मिला। इस मामले में अब तक नवी मुंबई, ठाणे और मीरा-भाईंदर के कई पदाधिकारी इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में सीएम एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार देर रात करीब 6 घंटे तक पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि म्हस्के के लिए जी-जान से काम करना है और महायुति में शामिल सभी दलों के साथ समन्वय बनाकर चलना है, ताकि किसी भी तरह ठाणे सीट शिंदे सेना ही जीते। संजय निरुपम के पार्टी में प्रवेश करने के कार्यक्रम के बाद वह ठाणे स्थित अपने घर पर ही रुके। इसी दौरान उन्होंने यह बैठक की बताया जा रहा है कि बीजेपी की नाराजगी से म्हस्के को नुकसान हो सकता है। इसीलिए शिंदे कोई मौका नहीं गंवाना चाहते हैं और बीजेपी के साथ तालमेल बनाते हुए इस सीट पर आगे बढ़ना चाहते हैं। महाराष्ट्र

में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी प्रतिष्ठा की सीट ठाणे को बीजेपी के भारी दबाव के बावजूद नहीं छोड़ा। वह इस मामले में बाजी जीत गए, लेकिन अब इससे पनपी नाराजगी का भी उन्हें सामना करना पड़ रहा है।

शिवसेना (शिंदे गुट) के नरेश महस्के की उम्मीदवारी को लेकर नवी मुंबई, मीरा-भाईंदर और ठाणे के ओवाला माजीवाडा बीजेपी पदाधिकारी नाराज हैं और इस्तीफे दे रहे हैं। इससे निपटने के लिए मुख्यमंत्री शिंदे ने खुद मोर्चा संभाला है। संजय निरुपम की घर वापसी के बाद शिंदे ठाणे के पार्टी मुख्यालय आनंद आश्रम में डटे रहे। किसी भी तरह ठाणे सीट को जीतने के लिए उन्होंने कमर कसते हुए पार्टी के प्रमुख नेताओं और पदाधिकारियों के साथ मेगा बैठक की। यह बैठक देर रात तक चलती रही। बताया जा रहा है कि 6 घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में शिंदे ने चुनावी तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान, सभी 6 विधानसभा के हिसाब से रणनीति तैयार की गई। शिंदे ने बैठक में मौजूद सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से बिना कोई लापरवाही बरते काम पर लगने का आदेश दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से सभी मित्र पक्षों के साथ समन्वय बनाने और उनकी नाराजगी किसी भी तरह दूर करने का निर्देश दिया।

शिंदे कोई मौका नहीं गवाना चाहते हैं। इस दिशा में वह दूसरी पार्टियों, खासकर उद्धव सेना के पदाधिकारियों, पूर्व नगरसेवकों को अपने खेमे में खींचने में लगे हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ठाणे स्थित उनके आवास पर कल्याण की पूर्व नगरसेविका सहित उप जिला प्रमुख ने शिंदे शिवसेना का दामन थामा।

भिवंडी लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय संघर्ष...

मुंबई: भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया चल रही है। नामांकन पत्रों की वापसी के बाद उम्मीदवारों के नाम का पता चल पाएगा, लेकिन लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में महायुति के बीजेपी उम्मीदवार कपिल पाटील, महाविकास आघाडी के एनसीपी (शरद गुट) उम्मीदवार सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा और जिजाऊ संस्था के निर्दलीय उम्मीदवार नीलेश सांबरे के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं। भिवंडी कांग्रेस पार्टी की परंपरागत सीट रही है। पिछले दो लोकसभा चुनावों में बीजेपी के कपिल पाटील चुनाव रहे हैं। भिवंडी लोकसभा मुस्लिम बहुल मतदाताओं वाला क्षेत्र है, जिसमें भिवंडी (पूर्व) एवं (पश्चिम) सहित कल्याण विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम मतदाताओं के चलते एक समय यह कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। कांग्रेस के उम्मीदवार 2014 एवं 2019 का चुनाव हार गए, जिसके कारण यह सीट एनसीपी (शरद गुट) के पास चली गई। वहीं, कांग्रेस के पदाधिकारी अब भी दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता अब भी म्हात्रे की उम्मीदवारी से नाराज हैं। भिवंडी क्षेत्र में 20,72,310 मतदाता हैं। इनमें सबसे अधिक कुनबी, मुस्लिम, आगरी और आदिवासी हैं।

कौन-कौन प्रत्याशी?

2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर चल रही थी, जिसके कारण कांग्रेस का समीकरण बिगड़ गया और एनसीपी से बीजेपी में आए कपिल पाटील चुनाव जीत गए थे। हालांकि, मतों के विभाजन को रोकने के लिए 2014 के चुनाव में कांग्रेस ने कुनबी सेना प्रमुख विश्वनाथ पाटील को उम्मीदवार बनाया था और एमएनएस ने सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा को उम्मीदवार बनाया गया था। वहीं, 2019 में पाटील फिर से जीत गए। इस बार कांग्रेस ने पूर्व सांसद सुरेश टावरे को उम्मीदवार बनाया था।

नागपुर में आलू-प्याज बिक्री कार्यालय में देह व्यापार, मामला दर्ज

नागपुर: अब तक यही बात सामने आई है कि वेश्यावृत्ति केवल ब्यूटी पार्लर, स्पा, मसाज पार्लर, पंचकर्म केंद्र और सैलून में ही हो रही है। अब पहली बार खुलासा हुआ है कि नागपुर में एक आलू-प्याज व्यापारी के दफ्तर में वेश्यालय है. इस मामले में शुक्रवार दोपहर क्राइम ब्रांच पुलिस ने छापेमारी कर दो महिलाओं को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया है. फुले मार्केट में जोशी ट्रेडर्स के मालिक अजय जोशी को भी गिरफ्तार किया गया। जय महादेव जोशी (42, निवास प्लॉट नंबर 21, रामकृष्णनगर, उमरेड रोड, दिघोरी) की फुले मार्केट में जोशी ट्रेडर्स नामक दुकान है। जोशी प्याज-आलू

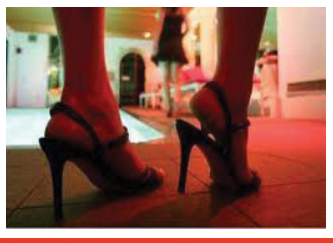

के व्यापारी हैं। लेकिन, उसने ऑफिस में ही देह व्यापार शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच के सामाजिक सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार दोपहर जोशी की दुकान पर छापेमारी की. वहां आरोपी को दो महिलाओं से सेक्स खरीदते हुए पाया गया।

आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन, 15 हजार 500 रुपये नकद और 25 हजार 610 रुपये की अन्य सामग्री जब्त कर गणेशपेठ थाने में मामला दर्ज किया गया. यह कार्रवाई क्राइम ब्रांच के सामाजिक सुरक्षा अनुभाग की प्रमुख कविता इसरकर, हवलदार प्रकाश माथनकर, लक्ष्मण चौरे, अश्विन मांगे, लता गवई और शेषराव राऊत ने की।

शराब की बिक्री पर प्रतिबंध मतदान के समय और निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित - हाई कोर्ट

मुंबईः हाई कोर्ट ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि शराब की बिक्री पर प्रतिबंध मतदान के समय और निर्वाचन क्षेत्रों तक ही सीमित है. साथ ही इस संबंध में रायगढ़ जिला कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में संशोधन किया गया है. रायगढ़ जिले में रायगढ़ और मावल ही दो लोकसभा क्षेत्र हैं और दोनों के लिए क्रमशः 7 और 13 मई को मतदान होगा। इसे देखते हुए कानून दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान से केवल 48 घंटे पहले और मतदान समाप्त होने तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा सकता है।न्यायमूर्ति ए ने यह भी कहा कि चूंकि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में अलग-अलग दिनों में मतदान होगा, इसलिए कलेक्टर पूरे जिले के लिए यह शर्त लागू नहीं कर सकते। एस। जस्टिस चंदुरकर और जस्टिस जीतेंद्र जैन की पीठ ने बताया.

पीठ ने रायगढ़ जिला कलेक्टर के आदेश को चुनौती देने वाली नवी मुंबई होटल ओनर्स एसोसिएशन की याचिका पर फैसला करते हुए उपरोक्त आदेश पारित किया। मावल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में पनवेल, कर्जत और उरण विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं जबकि रायगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में पेन, अलीबाग, श्रीवर्धन और महाड विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। लेकिन रायगढ़ के जिला कलेक्टर ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धारा को दरकिनार करते हुए मतदान अवधि के दौरान पूरे जिले में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है. आदेश में संशोधन की मांग करते हुए याचिकाकर्ताओं द्वारा औरंगाबाद पीठ द्वारा पारित आदेश की एक प्रति दी गई थी।

दूसरी ओर, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 142 के अनुसार, जिला कलेक्टर को शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार है और इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है, याचिकाकर्ताओं की याचिका का विरोध करते हुए सरकारी वकील ने तर्क दिया। हालाँकि, कानून के अनुसार, निषेधाज्ञा आदेश केवल मतदान क्षेत्र तक ही सीमित है और उससे आगे लागू नहीं किया जा सकता है। इसलिए कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए कहा कि हालांकि जिला कलेक्टर को शराबबंदी आदेश लागू करने का अधिकार है, लेकिन लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में इस अधिकार की सीमाएं हैं. इसके अलावा, अदालत ने औरंगाबाद पीठ के आदेश पर भी ध्यान दिलाया कि शराब प्रतिबंध आदेश केवल मतदान अवधि तक ही सीमित है और उसके बाद इसे लागू नहीं किया जा सकता है। साथ ही, रायगढ़ जिला कलेक्टर ने शराब बिक्री आदेश में संशोधन किया, जिसे पूरे रायगढ़ जिले के लिए लागू किया गया। कोर्ट के संशोधित आदेश के मुताबिक रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लिए जिला कलेक्टर का आदेश 4 मई शाम 5 बजे से 7 मई को मतदान संपन्न होने तक वैध रहेगा. उसके बाद, आदेश 4 जून को फिर से लागू होगा और परिणाम घोषित होने तक लागू रहेगा। मावल लोकसभा क्षेत्र के लिए शराब प्रतिबंध आदेश 11 मई को शाम 5 बजे लागू होगा और 13 मई को मतदान समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा। उसके बाद, आदेश 4 जून को फिर से लागू होगा और परिणाम घोषित होने तक लागू रहेगा।

खारेगांव, कलवा क्षेत्र में यातायात परिवर्तन...

ठाणेः मुंबई नासिक हाईवे के पास खारेगांव क्षेत्र में अंडरग्राउंड सीवरेज योजना के तहत नगर निगम के माध्यम से विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं. इन कामों के लिए ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने मुंबई नासिक हाईवे पर खारेगांव और साकेत पूल इलाके में ट्रैफिक में बड़ा बदलाव किया है. यातायात में ये बदलाव 31 मई तक लागू रहेंगे.

खारेगांव क्षेत्र में, भूमिगत सीवरेज योजना के चरण कक के तहत ठाणे नगर निगम द्वारा विभिन्न कार्य किए गए हैं। इन कार्यों के कारण खारेगांव से मुंबई नासिक राजमार्ग को जोड़ने वाली सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया है और इस क्षेत्र में बड़े यातायात परिवर्तन किए गए हैं। मुंबई नासिक राजमार्ग से खारेगांव मोड़ रोड के माध्यम से खारेगांव की ओर यातायात प्रतिबंधित है। यहां वाहन गैमन रोड, पारसिकनगर या न्यू कलवा ब्रिज से होकर चलेंगे। खारेगांव टर्न रोड से ठाणे की ओर जाने वाले वाहनों को टर्न रोड में प्रवेश करने से प्रतिबंधित किया गया है। यहां वाहन 60 फीट मार्ग, दलवाड़ी, ओल्ड पुणे-मुंबई मार्ग, कलवा नाका से होकर चलेंगे। यातायात में ये परिवर्तन 31 मई तक लागू रहेंगे।

डेढ़ साल में नौ बार रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमले... सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए राज्य सरकार को पत्र

मुंबईः पिछले डेढ़ साल में राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में नौ बार रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमले हुए हैं और इन घटनाओं के कारण अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो गया है. वहीं, अकोला के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों पर हुए हमले से चिंता व्यक्त की गई है. इन हमलों के मद्देनजर सेंट्रल एमएआरडी ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर मांग की है कि राज्य में रेजिडेंट डॉक्टरों को दी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

3 मई, 2024 को अकोला में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सर्जरी कर रहे एक रेजिडेंट डॉक्टर पर मरीजों के रिश्तेदारों ने हमला किया। साल के दौरान राज्य के आठ मेडिकल कॉलेजों पर मरीजों के रिश्तेदारों ने हमला किया है. डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों, फैकल्टी और कर्मचारियों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं।इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है. पिछले साल जनवरी में यवतमाल के एक मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर पर हमला हुआ था. फिर मई और सितंबर में चंद्रपुर में दो हमले हुए. दिसंबर 2023 में पिंपरी मेडिकल कॉलेज में, फिर 29 जनवरी 2024 को चंद्रपुर में, 4 मार्च 2024 को पिंपरी मेडिकल कॉलेज में, 19 अप्रैल 2024 को अकोला में, 21 अप्रैल 2024 को संभाजी नगर में और 3 मई 2024 को अकोला मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमला किया गया। जनवरी 2023 से अब तक रेजिडेंट डॉक्टरों पर नौ बार हमले हो चुके हैं।

रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमले से डॉक्टरों की शैक्षिक प्रगति पर भी असर पड़ता है।यह माहौल डॉक्टरों के विकास के लिए खतरनाक है. परिणामस्वरूप, भावी डॉक्टरों को सुरक्षित वातावरण में सीखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करना आवश्यक है। इसलिए, राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि रेजिडेंट डॉक्टरों पर आगे के हमलों को रोका जा सके, केंद्रीय चिकित्सा शिक्षा मंत्री, गृह मंत्री, चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव, निदेशक को लिखे पत्र में कहा गया है इसे चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय और राज्य के सभी सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों के प्राचार्यों आदि को भेज दिया गया है।

ठाणे जिले में, 111 में से 20 आवेदन अवैध

ठाणेः जिले के तीन निर्वाचन क्षेत्रों ठाणे, कल्याण और भिवंडी के लिए कुल 355 आवेदन वितरित किए गए। इनमें से 111 अभ्यर्थियों ने 136 आवेदन पत्र भरे थे। शनिवार को हुई जांच में 111 अभ्यर्थियों में से 91 अभ्यर्थियों के आवेदन वैध पाये गये, जबकि 20 अभ्यर्थियों के आवेदन अवैध पाये गये. इसके चलते भिवंडी में सबसे ज्यादा 36, कल्याण में 30 और ठाणे में 25 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से कौन उम्मीदवार अपना नाम वापस लेगा और इतने ही उम्मीदवार मैदान में रहेंगे, यह तस्वीर सोमवार को साफ हो जाएगी।

ठाणे जिले में तीन लोकसभा क्षेत्र हैं जिनके नाम ठाणे, कल्याण और भिवंडी हैं। इन तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में महायुति, महाविकास अघाड़ी समेत कई दलों के साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने आवेदन दाखिल किये हैं. इन तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन फॉर्म वितरण और दाखिल करने की प्रक्रिया 26 अप्रैल से शुरू हुई थी. कुछ अभ्यर्थियों ने दो से तीन आवेदन दाखिल किये थे. इसके चलते 3 तारीख तक तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 111 प्रत्याशियों के 136 आवेदन दाखिल हो चुके हैं। शनिवार को आवेदन की जांच की गयी. इसमें 20 आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया है, जबकि 91 आवेदनों को मान्य कर दिया गया है.

ठाणे लोकसभा क्षेत्र के लिए 105 नामांकन पत्र वितरित किये गये। इनमें से 36 अभ्यर्थियों ने 43 आवेदन दाखिल किए थे। आवेदन जांच प्रक्रिया में 36 आवेदनों में से 25 आवेदन वैध पाये गये, जबकि 11 आवेदन अवैध पाये गये. सबसे ज्यादा 137 नामांकन पत्र कल्याण लोकसभा क्षेत्र में बांटे गये. इनमें से 34 उम्मीदवारों ने 45 नामांकन फॉर्म भरे थे. आवेदन जांच के क्रम में 34 आवेदनों में से 30 आवेदन वैध पाये गये, जबकि 4 आवेदन अवैध पाये गये. भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में 113 नामांकन फॉर्म वितरित किये गये. इनमें से 41 अभ्यर्थियों ने 48 आवेदन पत्र भरे थे। सूत्रों ने बताया कि आवेदन जांच प्रक्रिया में 41 में से 36 आवेदन वैध पाये गये जबकि 5 आवेदन अवैध पाये गये. इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कौन-कौन से प्रत्याशी नाम वापस लेंगे या इतने ही प्रत्याशी मैदान में रहेंगे, इसकी तस्वीर सोमवार को साफ हो जायेगी.

नालासोपारा द्वारका होटल अग्निकांड: 4 दिन बाद ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज

वसई : नालासोपारा के द्वारका अस्पताल में आग लगने की घटना के मामले में अचोले पुलिस ने आखिरकार 4 दिन बाद ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला तब दर्ज किया गया है जब यह स्पष्ट हो गया कि सड़क खोदते समय लापरवाही के कारण गैस पाइपलाइन बिछाने के कारण आग लगी। मंगलवार, 30 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व के अचोले में द्वारका होटल में आग लग गई।इस आग में सिलेंडर फट गया और होटल जलकर खाक हो गया. होटल स्टाफ और ग्राहकों समेत 8 लोग घायल हो गए. इस होटल के सामने की सड़क सीवरेज के लिए खोदी जा रही है. लेकिन वह काम गलत तरीके से शुरू होता है. मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे जब जेसीबी सड़क खोद रही थी, तभी गैस पाइपलाइन फट गई और होटल में आग लग गई. इस मामले में अचोले पुलिस ने जेसीबी चालक और सड़क ठेकेदार पर लापरवाही से काम करके मानव जीवन को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया है. मामले की प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद, अचोले पुलिस स्टेशन के पुलिस उप-निरीक्षक मंगेश वडाने ने शिकायत दर्ज की।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com